



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

15-12-82

सं. 7] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 18, 1982/अग्राहायण 27, 1904  
No. 7] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 18, 1982/AGRAHAYANA 27, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, जयपुर आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

जयपुर, 22 नवम्बर, 1982

आवेश संख्या : राज०/सहा०आ० अर्जन/1444 .—यतः मुझे मोहन  
सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ग के अधीन  
सहायक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि  
है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
3 मार्च 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक

के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज्यार्थ अन्तरितों द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में  
सुविधा के लिए,

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्न-  
लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री भोवा पुत्र श्री जगन्नाथ निवास ग्राम विजयपुर  
बास नानसुर तहसील व जिला जयपुर (अन्तरक)
- (2) श्री ठाकुर कर्नल गोविन्द सिंह पुत्र स्व० जर्नल भक्त सिंह, शिवछाया,  
खारसीपुरा रोड, जयपुर (अन्तरितों)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियों करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से  
30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो,  
के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम विजयपुरा बास नानसुर तहसील एवं जिला जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 423 विभांक 3 मार्च, 1982 पर पंजीबद्ध दिक्रय पत्र में/और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

तारीख 22-11-82

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Office of the I.A.C. Acquisition Range, Jaipur.

Notice under Section 269D(I) of the Income Tax Act, 1961

(43 of 1961)

Jaipur, the 22nd November, 1982

No. Re. (IAC/Acq.)/1444.—Whereas, I to Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Agri. land situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Act, 1908 (16 of 1908) in the Office parent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhinwa S/o Shri Jagannath R/o Vijayapura Bas, Nanusar, Teh. & Distt. Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Thakur Col. Govind Singh S/o Late Gen. Bherun Singh, Shiv Chhaya Building, Khatipura Road, Jaipur. (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein are defined in chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

Agri. Land situated at Village Vijayapura Bas, Nanusar Teh. & Distt. Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur, vide Nos. 422 and 423 dated 3-3-82.

Dated: 22-11-1982.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269B (I) के अधीन सूचना

आदेश संख्या : राज०/सहा० खा० अर्जन/1445 --यतः मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 मार्च, 1982 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या
- ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री झंघा पुत्र श्री जगन्नाथ निवासी ग्राम विजयपुरा बास नानसुर तहसील व जिला जयपुर (अन्तरक)
- (2) श्री ठाकुर कर्नल गोविन्द सिंह पुत्र स्व० जर्नल श्री सिंह शिवछाया, क्वीन्स रोड, खासीपुरा, जयपुर (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

- इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ग्राम विजयपुरा बास नानुसर तहसील व जिला जयपुर में स्थित कृषि भूमि जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 422 दिनांक 3-3-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-82

Notice under section 269D (1) of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. : Rej/IAC(Acq.)/1445.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Agri.land. situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 3-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jhuta S/o Shri Jagannath, (Transferor)  
R/o Vijayapura Baa, Nanusar,  
Teh. & Distt. Jaipur.
- (2) Shri Thakur Col. Govind Singh S/o (Transferee)  
Late Gen. Bherun Singh, Shiv Chhaya Building,  
Khatipura Road, Jaipur

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Agri. land Situated at village Vijayapura Baa, Nanusar Teh. & Distt. Jaipur and more fully described in the sale deed registered S. R. Jaipur vide Nos. 422 & 423 dated 3-3-1982.

Date: 22-11-1982

आयकर अधिनियम 1961 (19 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/1446.—यतः मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस का उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- अन्तरणा से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या
- ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज्यार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

- (1) श्री हरीश कुमार चौधरी एवं श्री किशोरीलाल चौधरी (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पार्वति देवी पत्नी श्री नन्द किशोर सक्सेना, बी-2, मंगल सिंह मार्ग, जयपुर। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

- इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से, 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्तकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम विजयपुरा तह० जयपुर आ उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 736 दिनांक 16-3-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. : Raj/IAC (Acq-)/1446.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not, been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Harish Kumar Chaudhary & (Transferrer)  
Shri Kishorilal Chaudhary,  
Village Khatipura, Jaipur.

2. Smt. Parvati Devi W/o Shri Nand  
Kishore Saxena, (Transferee)  
B-2. Bhagat Singh Marg, Jaipur.

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land situated at Bishnawala, Teh. Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 736 dated 16-3-82.

Dated 12-11-1982

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

आदेश संख्या : राज/सहा.जा.अर्जन/1447 --यत. मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-

करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति, के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चौधुराम पुत्र श्री बच्चूमल निवासी 376, आईशानगर, जयपुर (अन्तरक) ।

(2) श्रीमती मलका कपूर धर्मपति श्री एम० के० कपूर निवासी बी-5, न्यूकालोनी जयपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अखोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जयपुर नगर चौकसी हवासी शहर मिर्जा इस्माईल रोड, सरस्वती मार्ग में एक प्लॉट नं० ए० जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 724 दिनांक 16 मार्च, 82 पर पंजीबद्ध विजय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ref. No. : Raj/IAC (Acq-)/1447.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot-A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-3-1982



for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Choith Ram S/o Shri Bachchumal, R/O 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Shrimati Alka Kapoor W/o Shri M. K. Kapoor, R/o 8-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 5 situated at Chokari Hawali Shahar Mirza Ismail Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 724 dated 16-3-1982.

Date : 22-11-1982

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/1448.— यतः मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन समय अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्र प्रतिपात से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तरित्रीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए

तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त, अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगले बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधि० 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्री द्वारा, नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री चन्द्र कुमार पुत्र श्री बच्चूमल निवासी 376, आदर्श नगर, जयपुर (अन्तरक)।
- (2) श्री विपुल कपूर पुत्र श्री एम० के० कपूर संरक्षिका श्रीमती मलका कपूर निवासी बी-5, न्यू कालोनी, जयपुर (अन्तरित्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जयपुर नगर चौकड़ी हवाली शहर मिर्जा ईस्माईल रोड, सरस्वती मार्ग, में प्लॉट नं० ए०, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 725 दिनांक 16-3-82 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-82

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ref. No. : Rej/IAC (Acq.)/1448.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot-A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- Shri Chandra Kumar S/o Shri Bachchumal, R/O 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- Shri Vipul Kapoor S/o Shri M. K. Kapoor, Guardian Smt. Alka Kapoor, R/o B-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Plot No. A situated at Chokari Hawali Shahar, Mirza Ismail Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 725 dated 16-3-1982.

Date : 12-11-1982

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269B (1) के अधीन सूचना

आवेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/1449—यस: मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाखंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए 14 पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तसे अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

- अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री नन्द लाल पुन श्री बच्चुमल निवासी 376, आदर्श नगर, जयपुर (अन्तरक)
- श्रीमती अलका कपूर धर्मपत्नी श्री एम० के० कपूर निवासी बी-5, न्यू कॉलोनी, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियों करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप-

(क) इस सूचना के राज-पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या अन्तर्गती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राज-पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकारण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जयपुर शहर चौकड़ी हवाली शहर, मिर्जा इस्माईल रोड, सरस्वती मार्ग, जयपुर में एक प्लॉट नं० ए० जोत उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 726 दिनांक 16-3-82 पर पंजिबद्ध विषय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख : 22-11-82

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ref. No. : Rej/IAC (Acq.)/1449.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot-A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nand Lal S/o Shri Bachumal, R/o 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Shrimati Alka Kapoor W/o Shri M. K. Kapoor, R/o 8-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 5A situated at Chokari Hawali Shahar, Mirza Ismail Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 726 dated 16-3-1982.

Date.—22-11-1982.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B के अधीन सूचना

आदेश संख्या : राज०/सहा०जा०अजम/1450—यतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे (इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लॉट नं० ए० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1982 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तर्गत की गई है और उसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की यावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी जग या पार सम्पत्ति को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः इस उक्त अधिनियम की धारा 269B के तहत, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

- (1) श्री वासुमल पुत्र श्री वसुमल निवासी 376, आदर्श नगर जयपुर । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती अलका कपूर धर्मपत्नी श्री एम० के० कपूर निवासी बी-5, न्यू कॉलोनी, जयपुर । (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाध में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विगुण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताधारी के पास लिखित में किये जा सकते हैं ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दा और वाक्यांश, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रत्याय 20B में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा या जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

जयपुर नगर चौकड़ी हवावा गड्ढा मिर्जा इम्प्राईन राड, सदरस्ता मार्ग, जयपुर में एक प्लॉट नं० ए० जो उप पंजीकृत, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 727 दिनांक 16-3-82 पर पंजीकृत विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

तारीख 22-11-82

Notice under Section 269D (1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. Raj/IAC(43)/1450.—Whereas, I Mohan Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vasumal S/o Shri Bachumal, R/o 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)



- (2) Shrimati Alka Kapoor W/o Shri M. K. Kapoor,  
R/o P-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under-signed :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. A situated at Chokari Hawali Shahar, Mirza Ismail Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 727 dated 16-3-1982.

Dated.—22-11-1982.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (I) के अधीन सूचना

आवश संख्या : राज०/सहा०आ०अर्जन/1451.—यन: मुझे मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लॉट नं० ए० है तथा जो जयपुर में स्थित है, और मुझे उपाज्ज्ञ अनुपूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के अनुमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिणत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 का (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और; या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री बन्धुवल निवासी 376, आदर्श नगर, जयपुर। (अन्तरक)

- (2) श्री विपुल कपूर पुत्र श्री एम०के० कपूर संयुक्त श्रमिती अलका कपूर, बी-5, न्यू० कॉलोनी, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहिया करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप—

- (क) इस, सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जयपुर नगर चौकड़ी हवाली शहर, मिर्जा इस्माईल रोड, सरस्वती मार्ग, जयपुर में एक प्लॉट नं० ए० जो उप पंजियक के, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 728 दिनांक 16-3-82 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-82

Notice under Section 269D (I) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

Re<sup>d</sup>. No. Raj/IAC(Acq.)/1451.—Whereas, I, Mohan Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kanhiya Lal S/o Shri Bachumal, R/o 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Shri Vipul Kapoor, S/o Shri M. K. Kapoor, Guardian Smt. Alka Kapoor R/o 8-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under-signed :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30



days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Plot No. A, situated at Hawali Shahar, M. I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 728 dated 16-3-1982.

Date : 22-11-82.

(आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

आवेश संख्या राज०/सहा०/भा० अर्जन/1452.—यतः मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 का (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने के उससे बचने में सुविधा के लिये, और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति्यों को जन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

इस अक्षर उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) सीतादेवी पति बच्चूमल, 376, आदर्शनगर, जयपुर (अन्तरक)
- (2) श्री विपुल कपूर पुत्र श्री एम०के० कपूर संरक्षिका श्रीमति प्रकाश कपूर, बी०-5, न्यू कासीनी, जयपुर (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30

दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलुब्धकारी के तान लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अन्वय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० ए०, सरस्वती मार्ग, एम०आई० रोड, जयपुर जो उप-पंजिका, जयपुर द्वारा कम संख्या 729 दिनांक 16 मार्च, 82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-81

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ref. No. : Raj/IAC(Acq.)/1452.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot-A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sita Devi W/o Shri Bachhumal, R/O 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Shri Vipul Kapoor S/o Shri M. K. Kapoor, through guardian Smt. Alka Kapoor, R/o B-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

Plot No. A situated at Saraswati Marg, near M. I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 729 dated 16-3-1982.

Date : 22-11-1982.

(आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना)

आदेश संख्या राज०/सहा०भा० अर्जन/1453.—यतः मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संयोजन तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूझमान प्रतिफल के लिये अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बूझमान प्रतिफल से, ऐसे बूझमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिये या छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सत्यनारायण मिश्रा पुत्र श्री राजेन्द्र शंकर, सी०-19, कृष्णा मार्ग, सी०-स्कैम, जयपुर (अन्तरक)
- (2) श्री पदम सिंह उज्जवाल, सी०-28, बापू नगर, जयपुर (अन्तरिणी)

की उक्त सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के लिये कार्य-वाहीत बाजार मूल्य है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध से कोई भी धारा 269 घ—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाजार मूल्य में स्थापित होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान का भाग, बरकतनगर, रूपारामपुरा, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 575 दिनांक 15-3-1982 पर पंजीकृत निम्न पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-82

Notice under Section 269D (1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. : Raj/LAC(Acq.)/1453.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent Consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Satyanarain Mishra S/o Shri Rajendra Shanker, C-19, Krishna Marg, C-Scheme, Jaipur (Transferor)
- (2) Shri Padam Singh Ujjawal, C-28, Bapu Nagar, Jaipur. (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

House situated in Barakat Nagar Rupa Rampura, Tonk Phatak, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No 576 and 575 dated 16-3-82.

Date : 22-11-82.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 296 घ (1)  
के अधीन सूचना

आवेदक संख्या राज०/सहा० आ०/अर्जन/1454 :—यत्. मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तित्वों को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सत्यनारायण मिश्रा पुत्र श्री राजेन्द्र शंकर, सी०-19, कृष्णा मार्ग, सी०-स्कीम, जयपुर (दाता)
- (2) श्रीमती मघन कवर पत्नी श्री लाल सिंह, सी०-28, बापूनग, जयपुर (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्य करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् :— लिखित रूप से सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या आशुपक्ष बाद में मंगायी जाती हो, के अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के अन्तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निवृत्त किन्तु अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जयपुर, टोंक फाटक, रामपुरा रूप में मकान सम्पत्ति में हिस्सा जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 576 दिनांक 15-3-82 पर पंजीबद्ध विवरण पत्र में और विस्तृत रूप विवरणित है ।  
तारीख 22-11-82

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयुक्त आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

Notice Under Section 269 D (1) of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. : Raj/IAC(Acq.)/1454.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. house situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Satyanarain Mishra S/o Shri Rajendra Shanker C-19, Krishna Marg, C-Scheme, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shrimati Magan Kanwar W/o Shri Lal Singh C-28, Bapu Nagar, Jaipur. (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House situated in Barakat Nagar, Ramputa, Tonk Phatak, Jaipur and more fully described in the schedule registered by S. R. Jaipur vide No. 576 dated 15-3-1982.

Date : 22-11-82.

MOHAN SINGH, Competent Authority,

Inspecting Assistant,  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.